Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 ◘ अंक- 92 ◘ रायपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले

पहलगाम हमले के दोषियों को बख्शेंगे नहीं, पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (न्यूज चैनल)। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया और साथ ही पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना ने देशवासियों को पीड़ा पहुंचाई है और इसे लेकर देशवासियों के मन में गहरी पीड़ा है। लोग पीड़ित परिजनों के दर्द को महसूस कर सकते हैं। हर भारतीय का खून आतंक की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल वक्त में 140 करोड़ देशवासियों की एकता सबसे बड़ा आधार है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक दृढ़ राष्ट्र के रूप में अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करना है। भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो पूरी दुनिया में हैं। इस आतंकी हमले के बाद दुनियाभर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने मुझे भी फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है। इस जघन्य तरीके से

किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं उन्हें न्याय मिलेगा...और न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

बिहार की धरती से भी पीएम मोदी ने दी थी आतंक के आकाओं को चेतावनी

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते गुरुवार को बिहार की एक जनसभा में भी पहलगाम हमले के दोषियों को चेतावनी देते हुए कहा था कि आज बिहार की सरजमीं से मैं पूरी दुनिया से यह कहना चाहता हूं कि भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे। भारत की आत्मा को आतंकवाद कभी नहीं तोड़ सकता। ईसाफ मिले, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस दुनिया में जो भी इंसानियत के पक्ष में है, वह हमारे साथ है। इस वक्त दुनिया में जो हमारे साथ खड़ा है, हम उनके शुक्रगुजार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।

सुरक्षा बलों को मिली नक्सलियों की खुफिया गुफा सैकड़ों की संख्या में रहा करते थे माओवादी

बीजापुर, 27 अप्रैल (हाईवे चैनल)। बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर स्थित करेंगुट्टा की पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ पिछले 5 दिनों से चल रहे सबसे बड़े ऑपरेशन के दौरान जवानों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. भीषण गर्मी और 45 डिग्री तापमान के बीच 5 दिनों के कड़ी मशक्कत के बाद आखिर जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंचने में कामयाब हो गए हैं. यहां नक्सलियों की मौजूदगी के निशान मिले हैं. हालांकि नक्सलियों ने सुरक्षा बल के पहुंचने से पहले ही अपना ठिकाना बदल लिया है. बताया जा रहा है कि, इस गुफा में आराम से एक हजार से अधिक लोग कई दिनों तक पनाह ले सकते हैं. गुफा के अंदर पानी से लेकर आराम करने लायक भी सुविधा मौजूद है.

गुफा के अंदर ही एक बहुत बड़ा मैदान भी मौजूद है.

बता दें, उसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोतापल्ली गांव के करेंगुट्टा पहाड़ी में लगातार 5 दिनों से सुरक्षा बल के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है. यह देशभर में अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है, जिसमें 10 से 12 हजार जवानों ने बड़े कैडर के नक्सली लीडरों समेत 1500 नक्सलियों को पहाड़ी एरिया में घेर रखा है. सुरक्षा बल के जवान अब नक्सलवाद के खिलाफ अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं. 2 हेलीकॉप्टर से नक्सलियों पर गोलीबारी और बमबारी कर उनका खात्मा किया जा रहा है. मुठभेड़ में जवानों ने 5 नक्सलियों को मार गिराया है, जिनमें से 3 के शव समेत हथियार बरामद हुए हैं. आज 5वें दिन भी लगातार दोनों तरफ से रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है और नक्सलियों पर हेलीकॉप्टर से बमबारी की जा रही है।

तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल के जरिए मिला संदेश

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (न्यूज चैनल)। केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम की धमकी मिली है। तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे के पीआरओ ने बतायास कि हवाई अड्डे को ईमेल के जरिए धमकी मिली। बम निरोधक दस्ते टर्मिनलों की जांच कर रहे हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

ब्रेकिंग न्यूज

सोमवार को छत्तीसगढ़ में नहीं होगी रजिस्ट्री, पंजीयन कार्यालय रहेंगे बंद

रायपुर, 27 अप्रैल (हाईवे चैनल)। राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में सभी पंजीयन कार्यालय सोमवार (28 अप्रैल) को बंद रहेंगे. इस दिन पूरे छत्तीसगढ़ में पंजीयन कार्य बंद रहेगा. रजिस्ट्री बंद रहने से प्रदेशभर में करीब 15,000 से अधिक लोगों को असुविधा होने की संभावना जताई जा रही है. पंजीयन विभाग ने अपॉइंटमेंट बुक करने वाले पक्षकारों को पहले ही मैसेज कर जानकारी दे दी है और नागरिकों से सहयोग की अपील की है। जानकारी के मुताबिक, रजिस्ट्री के साथ-साथ तत्काल नामांतरण की प्रक्रिया को दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी. इसके अलावा, पंजीयन कार्यालयों में नई गाइडलाइन तैयार करने और जमीन के नए गाइडलाइन रेट की समीक्षा का काम भी किया जाएगा।

ओपन परीक्षा में 10वीं का पेपर लीक, 3 अधिकारी निलंबित

गरियाबंद, 27 अप्रैल (हाईवे चैनल)। फिंगेश्वर विकासखंड के लोहरसी परीक्षा केंद्र में ओपन स्कूल की परीक्षा के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है. 12वीं कक्षा के गृह विज्ञान विषय की परीक्षा में गलती से 10वीं कक्षा का प्रश्न पत्र बांट दिया गया. मामले को गंभीरता से लेते हुए उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ ने कार्रवाई करते हुए तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. निलंबित अधिकारियों में केंद्राध्यक्ष नारायण सिंह चंद्राकर, सहायक केंद्राध्यक्ष तुलसी राम यादव और जिला प्रतिनिधि आब्जर्वर नीतू शाह शामिल हैं. निलंबन अवधि के दौरान सभी को जिला शिक्षा कार्यालय गरियाबंद में उपस्थिति देने के निर्देश दिए गए हैं।

तेंदूपत्ता बोनस घोटाले में निलंबित आईएफएस अधिकारी अशोक पटेल 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजे गए जेल

रायपुर, 27 अप्रैल (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित तेंदू पत्ता बोनस घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की विशेष कोर्ट ने भारतीय वन सेवा अधिकारी अशोक पटेल को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। इससे पहले ईओडब्ल्यू ने पटेल को दो बार पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया था। बता दें, अशोक पटेल को 6 करोड़ रुपए के तेंदू पत्ता बोनस घोटाले में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में उनकी संलिप्तता पाए जाने के बाद राज्य सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था। पटेल छत्तीसगढ़ के पहले आईएफएस अधिकारी हैं, जिन्हें जेल भेजा गया है।

तेंदू पत्ता बोनस घोटाला छत्तीसगढ़ में तेंदू पत्ता संग्रहण और बोनस वितरण से जुड़ा एक बड़ा मामला है, जिसमें अनियमितताओं और गबन के आरोप सामने आए हैं। ईओडब्ल्यू की जांच में अशोक पटेल की भूमिका संदिग्ध पाई गई, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई। इस मामले में कई तेंदू पत्ता समिति के प्रबंधकों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई थी, जिसमें महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए। जांच एजेंसी ने पुख्ता सबूत जुटाए और आगे की कार्रवाई की गई।

दिल्ली में रह रहे पांच हजार पाकिस्तानी, आईबी की लिस्ट से सामने आया हैरान करने वाला आकड़ा, पुलिस को सौंपी सूची

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (न्यूज चैनल)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने का काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार के आदेश का पालन करते हुए कई राज्य सरकारें ने उनके राज्य में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को वापस पाकिस्तान भेजने में लगी है। दिल्ली में करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की गई है। भारत के खुफिया विभाग ने दिल्ली पुलिस को इसकी लिस्ट सौंपी है। आईबी ने दिल्ली में रह रहे करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की सूची दिल्ली पुलिस को सौंप दी है ताकि इन लोगों की घर वापसी सुनिश्चित की जा सके। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने यह सूची दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के साथ साझा की है और आगे सत्यापन और पहचान के लिए इसे संबंधित जिले के साथ भी साझा किया गया है। इस सूची में उन हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों के नाम शामिल हैं जिनके पास दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) है और उन्हें छूट दी गई है। सूची सत्यापन के लिए संबंधित जिले को सौंप दी गई है और पाक नागरिकों को अपने वतन लौटने को कहा गया है।

एनआईए ने हमले के चश्मदीदों से की पूछताछ, हर बिंदु पर बारीकी से हो रही छानबीन

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (न्यूज चैनल)। पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी गई है। रविवार को एजेंसी के एक पुलिस महानिरीक्षक, एक पुलिस उपमहानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक की अगुवाई में गठित टीमों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बायसरन घाटी में हुए हमले के चश्मदीदों से पूछताछ कर रही हैं। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के बाद एजेंसी ने पहलगाम आतंकी

हमला की जांच शुरू की है।

अधिकारियों ने बताया कि घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने के लिए चश्मदीदों से बारीकी से पूछताछ की जा रही है। एनआईए आतंकियों के प्रवेश और निकास बिंदुओं की बारीकी से जांच कर रही है। फोरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की सहायता से टीमें पूरे क्षेत्र की गहन जांच कर रही हैं, ताकि आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके। टीमें बुधवार से ही हमले वाली जगह पर डेरा डाले हुए हैं।

हमले के बाद से पूरी कश्मीर घाटी में 63 आतंकी ठिकानों पर छापे मारे गए और 1,500 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। अकेले अनंतनाग से ही करीब 175 संदिग्ध पकड़े हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने श्रीनगर समेत कई अन्य जगहों पर भी आतंकियों व उनके समर्थकों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापे मारकर संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इस बीच, जम्मू-कश्मीर में सक्रिय 14 स्थानीय आतंकियों की सूची जारी की गई है। ये आतंकी पाकिस्तानी दहशतगर्दों को रसद व जमीनी सहायता के अलावा सुरक्षित पनाह भी मुहैया कराते हैं। इनमें तीन हिजबुल मुजाहिदीन, आठ लश्कर और तीन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं। अधिकारियों ने बताया, शुक्रवार रात पुलवामा, शोपियां व कुलगाम में आतंकियों के घर ध्वस्त किए गए।

साल्हेभाट-चमेदा के जंगलो में जवानों को सर्चिंग के दौरान मिला 9 बम व नक्सल सामग्री, जवानों को देख भागे नक्सली

- 3 कुकर बम, 3 डिब्बा बम, 2 पाईप बम, 1 टिफिन बम, 1 ताकी टॉकी सहित दैनिक उपयोगी नक्सली सामान
- नगरी डीआरजी, सीएएफखल्लारी टीम द्वारा नक्सल सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान मिली सफलता, नक्सलियों के मंसूबो फेरा पानी

धमतरी 27 अप्रैल (हाईवे चैनल)। पुलिस अधीक्षक धमतरी सुरज सिंह परिहार द्वारा धमतरी पुलिस नगरी डीआरजी सहित सीएएफ की टीम को सूचना तंत्र मजबूत कर लगातार नक्सल विरोधी नक्सल सर्चिंग अभियान चलाए जाने का निर्देश दिया गया है। इसी तारतम्य में आज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र पांडेय के मार्गदर्शन में जिला धमतरी के नगरी डीआरजी एवं सीएएफ खल्लारी की टीम सर्चिंग आपरेशन पर थाना खल्लारी के चमेन्दा,साल्हेभाट क्षेत्र में रवाना हुई थी। इसी दौरान प्रात: लगभग 8 बजे चमेंदा, साल्हेभाट के बीच जंगल में माओवादियों द्वारा डंप किया गया 3 नग कुकर बम, 3 नग अमूल दूध के डिब्बे (बम) 2 नग पाइप बम व एक नग टिफ्रि बम, एक नग वाकी टॉकी और उपचार उपयोगी (दवाईयां), दैनिक उपयोगी बर्तन, राशन व अन्य सामग्री जिसे अलग अलग थैले को एक त्रिपाल झिल्ली व नीले कलर का प्लास्टिक ड्रम मे डाल कर दो अलग-अलग जगह डंप किया गया था। बीडीएस टीम द्वारा डंप किये बमों को डिफ्यूज किया गया। चूंकि घटना स्थल खल्लारी क्षेत्र का होने से थाना खल्लारी में अज्ञात प्रतिबंधित माओवादियों के विरुद्ध अपराध क्र.02/25 धारा 04,05, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 कायम कर विवेचना में लिया गया।

सिब्बल की अपील: पहलगाम हमले को लेकर सरकार से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की जाए

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (न्यूज चैनल)। निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राजनीतिक दलों से विशेष आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर मई में जल्द से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने का सरकार से आग्रह करें। सिब्बल ने कहा, %25 अप्रैल को मैंने सुझाव दिया था कि इस दुख की घड़ी में देश की एकता दिखाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि वे सरकार से मई में जल्द से जल्द ऐसा सत्र बुलाने का आग्रह करें।

इससे पहले कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया था, ताकि दुनिया को यह संदेश दिया जा सके कि देश एकजुट है। सिब्बल ने सरकार को विभिन्न महत्वपूर्ण देशों में सत्तारूढ़ और विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजने का भी सुझाव दिया था, ताकि पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सुझाव दिया कि जिस तरह अमेरिका अपने प्रतिबंधों के साथ अपराह, उसी तरह भारत को भी पाकिस्तान के साथ व्यापार संबंध रखने वाले सभी प्रमुख देशों से कहना चाहिए कि अगर उनका इस्लामाबाद के साथ व्यापार है तो वे भारतीय बाजार में नहीं आ सकते। इससे पहले विभिन्न दलों के नेताओं ने गुरुवार को आतंकवाद और आतंकी शिविरों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का आह्वान किया था। उन्होंने सरकार को अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया था। पहलगाम हमले पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक के दौरान सरकार ने कहा था कि वह सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठा रही है। सरकार ने नेताओं को आतंकवाद और उसके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश को नई रफ्तार, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निवेशकों को दी बड़ी सौगात

रायपुर, 27 अप्रैल (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है. निवेशकों को विभिन्न आवश्यक स्वीकृतियां और सेवाएं अब तय समय-सीमा में प्रदान की जाएंगी. इसके साथ ही, कई नई सेवाओं को छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के तहत अधिसूचित भी कर दिया गया है, जिससे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और निवेशकों का विश्वास मजबूत होगा.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ को निवेशकों के लिए देश का सबसे अनुकूल राज्य बनाना हमारी प्राथमिकता है. औद्योगिक विकास से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर भी सृजित होंगे. हमारी सरकार निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी और जवाबदेह सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड द्वारा जारी आदेश के अनुसार, खतरनाक तथा अन्य अपशिष्ट प्रबंधन के तहत अनुमति प्रदान करने के लिए 60 दिन, बायो-मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु अनुमति के लिए 60 दिन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु स्वीकृति के लिए 30 दिन और निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु अनुमति के लिए भी 30 दिन की समय-सीमा तय की गई है. इसी तरह नदी या सार्वजनिक जलाशयों से जल दोहन हेतु अनुमति 300 दिनों में प्रदान की जाएगी, जबकि जल आपूर्ति एजेंसी से जल की अनुपलब्धता का प्रमाण पत्र 90 दिनों के भीतर जारी किया जाएगा। भवन निर्माण से संबंधित पांच चरणों जैसे भवन योजना स्वीकृति, परिवर्तन या पुनरीक्षण की अनुमति, ध्वस्तीकरण एवं पुनर्निर्माण की अनुमति, प्लिंथ स्तर स्वीकृति तथा अधिभोग/पूर्णता प्रमाण पत्र के लिए अधिकतम 45 दिन की समय-सीमा निर्धारित की गई है. इसी प्रकार लिफ्ट और एस्कलेटर की स्थापना हेतु पंजीकरण, नवीनीकरण और निरीक्षण के लिए 45 दिन का समय तय किया गया है. स्टार्टअप इकाइयों के पंजीकरण के लिए भी 45 दिन की समय-सीमा तय की गई है.

इसके अलावा, निवेशकों की सुविधा केंद्र और निवेश प्रोत्साहन एजेंसी द्वारा प्रश्नों का प्रत्युत्तर 7 दिनों में तथा प्रश्नों और शिकायतों का निराकरण 15 दिनों के भीतर किया जाएगा. सेवा क्षेत्र की इकाइयों के प्रश्नों का समाधान भी 7 दिनों में और शिकायतों का निराकरण 15 दिनों में किया जाएगा. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि निवेशकों की सुविधा के लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण और सेवाओं का समयबद्ध निपटारा छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता है. हमें विश्वास है कि इससे छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक नक्शे पर और अधिक तेजी से अपना स्थान बनाने में सफल होगा. गौरतलब है कि अब तक जिन सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित नहीं किया गया था, उन्हें इस आदेश के माध्यम से अधिसूचित माना जाएगा. यह आदेश राज्य में लागू हो चुका है. छत्तीसगढ़ शासन का यह प्रयास औद्योगिक विकास के क्षेत्र में राज्य को अग्रणी बनाने की दिशा मे मददगार साबित होगा।